

पाठ प्रवेश

बच्चों, प्राचीन काल से ही नदियों को जीवन रेखा के रूप में जाना जाता है क्योंकि आज तक जीतनी भी संस्कृतियाँ संसार में विकसित हुई हैं उनका मूल आधार नदियाँ ही रही हैं। नदियाँ जीवन से संबंधित महत्वपूर्ण संसाधन उपलब्ध करवाने के साथ ही हमें पीने योग्य शुद्ध जल उपलब्ध करवाती हैं। आज हम भारत की प्रसिद्ध नदी यमुना के बारे में विस्तार से पढ़ेंगे।

आज मानवी स्कूल में बहुत खुश थी। जब अनन्या ने उसकी खुशी का कारण पूछा तो उसने बताया आज उसके दादा जी मथुरा से उनके पास रहने आ रहे हैं। वह स्कूल से घर पहुँची और जल्दी से कपड़े बदलकर तैयार हो गई और अपने पिता जी का **इंतजार** करने लगी। माँ मानवी की बेचैनी देखकर बोली क्या हुआ मेरी बिटिया आज इतनी बेचैन क्यों हो? मानवी बोली देखो न माँ समय हो रहा है दादा जी की ट्रेन का और पापा ऑफिस से अभी तक नहीं आए हैं। हम लेट हो रहे हैं। तभी बाहर गाड़ी के हॉर्न की आवाज़ सुनाई देती है। मानवी की खुशी का ठिकाना न रहा वह दौड़ी और गाड़ी के पास पहुँच गई और बोली अब चलो पापा! स्टेशन पर दादा जी पहुँचने वाले होंगे। पापा बोले ठीक है बिटिया चलो हम स्टेशन चलते हैं। स्टेशन पर जैसे ही मानवी और उसके पापा पहुँचे मथुरा से ट्रेन भी आ पहुँची दादा जी को उत्तरता देख मानवी दौड़ी और उनके गले जा लगी।

बताइए

- मानवी क्यों खुश थी?
- दादा जी कहाँ से और किसमें आ रहे थे?
- दादा जी किसे देखकर खुश थे?

दादा जी भी अपनी लाड़ली को देखकर बहुत खुश थे। मार्ग में दादा जी और मानवी ने खूब सारी बातें की। जो घर पहुँचने तक जारी थी। मानवी की माँ ने कहा बिटिया अभी दादा जी को थोड़ा आराम करने दो, शाम को उनसे बातें करना। दादा जी आराम करने अपने कमरे में चले गए। पर अभी मानवी की **उत्सुकता** शांत नहीं हुई थी उसे दादा जी से खूब सारी बातें करनी थी। शाम को चाय पीने के लिए जब दादा जी आए तो वह **बरामदे** में कुरसी पर बैठे मानवी भी उन्हें देख उनके पास आ गई और बोली ‘दादा जी’ “मथुरा की **प्रसिद्ध** नदी यमुना के बारे में मुझे बताइए। यह इतनी खास क्यों है?”

दादा मुस्कुराए, उनकी आँखों में नदीं के किनारे बिताए अपने बचपन की यादें चमकने लगी। उन्होंने बताना आरंभ किया और बोले, “यमुना नदी वास्तव में उत्तर भारत के लिए बहुत खास है, बिटिया! यमुना नदी का **उद्गम** स्थल हिमालय के **गर्भ** से होता है। इसे गंगा नदी की बहन कहा जाता है। यमुना को हिंदी साहित्य में ‘यमुना’, ‘जमुना’, और ‘जम्बुना’ भी कहा जाता है। यमुना को भारत की बारहमासी व सदानीरा नदी के रूप में जाना जाता है।”

मानवी की आँखें **जिज्ञासा** से चौड़ी हो गई। “बारहमासी व सदानीरा? इसका क्या मतलब है, दादा जी?”

दादा जी ने समझाया, “बारहमासी का मतलब है हमेशा के लिए और सदानीरा का मतलब है हमेशा पानी उपलब्ध करवाने वाली” “यमुना साल भर बहती रहती है, कभी नहीं सूखती, इसमें गरमियों व सरदियों में पानी उपलब्ध रहता है। वह जीवन रेखा की तरह है, जो लाखों लोगों को पानी उपलब्ध कराती है और असंख्य प्रकार के जीवन को जीवित रखती है।”

बताइए

- मानवी ने दादा जी से किसके बारे में पूछा?
- यमुना का उद्गम स्थल कहा से होता है?
- हिंदी साहित्य में यमुना के क्या-क्या नाम मिलते हैं?



मानवी ने समझ में सिर हिलाया और पूछा “लेकिन यमुना नदी हमारे देश के लिए इतनी महत्वपूर्ण क्यों है, दादाजी?”

“यमुना सिर्फ एक नदी नहीं है, वह जीवन और **पवित्रता** का प्रतीक है,” दादा जी ने उत्तर दिया। “यमुना नदी हमारे देश की सबसे पुरानी नदियों में से एक है। इसकी महत्वपूर्णता वेदों में भी उल्लेखित है। यह नदी हिमालय से निकलकर और उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, और उत्तराखण्ड में बहती है। विश्व में प्रसिद्ध आगरा का ताजमहल इसके किनारे ही बसा है। सदियों से उसके किनारों पर कई शहर और कस्बे विकसित हुए हैं। यमुना नदी का पानी बहुत ही शुद्ध और प्राकृतिक है। इसके पानी को लोग पवित्र मानते हैं, और यहाँ के तट पर कई पक्षियों, जीवों और पौधों को जीवन धारण करने का **अवसर** मिलता है। यह नदी हमारे संस्कृति और धर्म के लिए भी महत्वपूर्ण है।”

यह सुन मानवी ने कहा ‘यह नदी वास्तव में हमारे देश की आतमा है।’

दादा जी: बिल्कुल सही कहा बिटिया! यमुना नदी के किनारे कई महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल हैं, जैसे की वृदावन, मथुरा, और आगरा। यहाँ अनेक मंदिर और तीर्थ स्थल हैं जो हमारे संस्कृति के **अहम्** हिस्से हैं। जब दादा जी बोल रहे थे, तो उन्होंने मानवी के मन

बताइए

1. यमुना नदी कहाँ-कहाँ बहती है?
2. यमुना का तट किसे-किसे जीवन देता है?
3. वृदावन किस नदी के तट पर स्थित है?



में यमुना नदी की एक विशद तस्वीर खींच दी। उन्होंने उसके किनारों पर फैली हरियाली, उसके पेड़ों पर घोंसला बनाने वाले रंग-बिरंगे पक्षियों और उसके सम्मान में मनाए जाने वाले जीवंत त्योहारों का वर्णन किया।

“लेकिन दादाजी,” मानवी ने बीच में टोका, “मैंने सुना है की यमुना कई समस्याओं का सामना कर रही है। क्या यह सच है?”

दादा जी के चेहरे पर **गंभीरता** छा गई। “हाँ, मेरी प्यारी बिटिया! दुखः की बात है कि यमुना **मानवीय** गतिविधियों के कारण प्रदूषण का सामना कर रही है। **उद्योगों** का कचरा डालने से इसका जल वर्तमान समय में जहरीला होता जा रहा है।” मानवी ने यमुना की पीड़ा के बारे में सोचकर परेशान होकर भौंहें सिकोड़ीं। “हम मदद के लिए क्या कर सकते हैं, दादाजी?”

दादा जी ने मानवी के कंधे पर हाथ रखा, उसकी आँखें आशा से भरी हुई थीं। “हम सभी अपना योगदान दे सकते हैं। हम अपनी नदियों को संरक्षित करने के महत्व के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ा सकते हैं, और हम अपने जीवन में प्रदूषण को कम करने के लिए कदम उठा सकते हैं। हर छोटी-छोटी कदम मायने रखते हैं।”

जैसे-जैसे शाम ढलती गई, दादा जी और मानवी यमुना नदी और भविष्य की पीढ़ियों के लिए इसे संरक्षित करने के महत्व के बारे में बात करते रहे। तभी मानवी की माँ ने खाने के लिए उन्हें बुलाने आई। मानवी और दादा जी खाने की टेबल की तरफ़ चल पड़े।



शिक्षण संकेत

विद्यार्थियों को सस्वर पाठ पढ़ाते हुए शुद्धोच्चारण पर बल दें। उन्हें समझाएँ नदियाँ जीवनदायनी होती हैं किसी भी संस्कृति के विकास का आज तक मूल आधार नदियाँ ही रही हैं। भारत में नदियों की पूजा की जाती है। परंतु आज नदियों की स्थिति विचारणीय है हमें मिलकर उनका रक्षण करना होगा।

••• अनमोल वचन •••

“पृथ्वी हर आदमी की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त सामग्री प्रदान करती है, लेकिन हर आदमी के लालच को नहीं।”
– महात्मा गांधी

“यदि प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण गलत हो गया, तो और कुछ भी सही नहीं होगा।”

– एमएस स्वामीनाथन

“प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण मूलभूत समस्या है। जब तक हम उस समस्या का समाधान नहीं करते, तब तक अन्य सभी समस्याओं को हल करने में हमें कोई लाभ नहीं होगा।”
– थियोडोर रूजवेल्ट

••• हमने जाना •••

यमुना नदी भारत की प्रसिद्ध नदी है व इसके तट पर अनेकों शहर बसे हुए हैं। इसे बारहमासी व सदानीरा के नामों से भी जाना जाता है। परंतु आज उद्योग धंधों के कचरे के कारण इसका संरक्षण करना अति आवश्यक है।

शब्दार्थ

इंतजार	-	प्रतीक्षा	-	जानने की इच्छा
मार्ग	-	रास्ता	-	शुचिता
उत्सुकता	-	बेचैनी	-	मौका
बरामदा	-	दालान	-	महत्वपूर्ण
प्रसिद्ध	-	मशहूर	-	गहनता
उद्गम	-	उद्भव	-	इंसानी
गर्भ	-	उत्पत्ति स्थल	-	व्यवसाय

मुहावरे और लौकोकितयाँ-

बिना चप्पू के नदी पर चढ़ना:- बिना किसी तैयारी के तैयारी की स्थिति में होना।

छोटी नदी नाले जल्दी उफान लाते हैं:- जब किसी अज्ञानी व्यक्ति को छोटा-सा ज्ञान मिल जाए, तो वह बहुत ज्ञान जगाने लगता है।

बहुती गंगा में हाथ धोना:- किसी अवसर का फायदा उठा लेना।

वर्तनी ज्ञान- इन्तजार, शान्त, शांत, प्रसिद्ध - प्रसिद्ध, उदगम, गर्भियों - गर्भियों, सर्दियों - सरदियों, महत्वपूर्ण - महत्वपूर्ण, शुद्ध - शद्ध

विदेशी शब्द- स्कूल, ट्रेन, ऑफिस, स्टेशन, कुरसी, बरामदा, तस्वीर, पीढ़ी, टेबल, भोंहें।

श्रृतलेख- इंतजार, बेचैनी, स्टेशन, मार्ग, उत्सुकता, प्रसिद्ध, उदगम, गर्भ, जिज्ञासा, पवित्रता, उत्तराखण्ड, संस्कृति।

अभ्यास



पाठ से आगे-

- नदियों का संरक्षण मानव जाती के लिए क्यों आवश्यक है?

2. 'भारतीय संस्कृति में नदियों को पूजा जाता है' आप इसको किस प्रकार देखते हैं व इसका क्या अर्थ समझते हैं?
-



उच्चारण कीजिए

इंतजार, जिज्ञासा, मार्ग, पवित्रता, उत्सुकता, बरामदा, अहम्, प्रसिद्ध, गंभीरता, उद्गम, उद्भव, मानवीय, इंसानी, गर्भ, उत्पत्ति, उद्योग।



गौषिक कार्य

- क. दादा जी कहाँ से आ रहे थे?
- ख. दादा जी को लेने स्टेशन पर कौन-कौन गया?
- ग. मानवी क्यों उत्सुक थी?
- घ. मानवी ने दादा जी से कौन-सी नदी के बारे में पूछा?



हमें नदियों को स्वच्छ रखने के लिए कौन-कौन से महत्वपूर्ण कदम उठाने चाहिए?



लेखन कार्य

लिखिए-

1. सही उत्तर के आगे (✓) का निशान लगाए-

- क. दादा जी कहाँ रहते थे?

आगरा



मथुरा



दिल्ली



विशाखापटनम



- ख. गंगा की बहन कौन-सी नदी को कहा जाता है?

अलकनंदा



सरस्वती



यमुना



कावेरी



2. कुछ शब्दों में उत्तर लिखिए-

- क. स्कूल से लौट कर मानवी किसका इंतजार करने लगी?

ख. मानवी के बेचैनी का कारण पूछने पर उसने माँ को क्या बताया?

.....

ग. जब मानवी ने घर के बाहर गाड़ी का हॉर्न सुना तो उसने क्या किया?

.....

घ. मथुरा में कौन-सी नदी बहती है?

.....

ड. दादा जी को उत्तरता देख मानवी ने क्या किया?

.....

च. यमुना किस कारण से दूषित होती जा रही है?

.....

3. कुछ वाक्यों में उत्तर लिखिए-

क. हिंदी साहित्य में यमुना नदी को और किन नाम से जाना जाता है?

ख. बारहमासी व सदानीरा का क्या अर्थ है?

ग. यमुना नदी के तट पर कौन-कौन प्रमुख धार्मिक स्थल बसे हुए हैं?

घ. यमुना नदी कौन-कौन से राज्यों में होकर बहती है?

ड. यमुना नदी भारत देश के लिए क्यों महत्वपूर्ण है?

च. यमुना को संरक्षित करने के लिए हम कौन-कौन से कदम उठा सकते हैं?



भाषा की बातें

1. नीचे शब्द तालिका में दिए शब्दों को संख्या के भेद के अनुसार चुनकर लिखें-

अक्षित, यमुना, आगरा, घोड़ा, गंगा, नदी, बेटी, सुंदरता, लंबाई, मूर्खता, वृक्ष, चतुराई

व्यक्तिवाचक	जातिवाचक	भाववाचक
.....
.....
.....

2. लिंग बदलिए-

दादा - दादी
बेटा -

मोर -

सेठ -

3. 'अ' लगाकर विलोम शब्द बनाए-

चिंतनीय - अचिंतनीय
शिष्ट -

घोष -

ज्ञात -

क्षर -

संभव -

संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं। जिसकी विशेषता बताई जाए उसे विशेष्य कहते हैं।

4. निम्नलिखित वाक्यों में आए विशेषण शब्दों को चुनकर लिखिए-

- क. बर्फीली हवा से सब परेशान थे।
- ख. आज माँ ने स्वादिष्ट भोजन बनाया है।
- ग. वह राजा बहुत तेजस्वी है।
- घ. काली गाड़ी दौड़ती आ रही थी।
- ड. मुसलाधार वर्षा से नदी में बाढ़ आ गई।

5. निम्नलिखित वाक्यों में विशेषण व विशेष्य अलग करें-

	विशेष्य	विशेषण
क. यमुना नदी का जल मीठा है।
ख. यह आम तो खट्टा है।
ग. पेड़ पर बैठा कौआ काला है।
घ. अहंकारी रावण मारा गया।



योव्यता विस्तार

आइए जाने गंगा नदी को- गंगा नदी भारतीय सभ्यता का एक महत्वपूर्ण अंग है। यह नदी भारत के उत्तरी भाग से होकर बंगाल की खाड़ी में मिल जाती है। गंगा नदी को भारतीय धर्म, संस्कृति, और इतिहास का प्रतीक माना जाता है। इस नदी की महत्वपूर्णता उसके पवित्रता, प्राकृतिक संसाध

नों, और मानवीय उपयोग के कारण है। गंगा से संबंधित गंगात्री, यमुनोत्री, गोमुख, और हरिद्वार जैसे पवित्र स्थल है। यह नदी हिन्दू धर्म में पावन मानी जाती है और बहुत से धार्मिक आयोजनों का केंद्र भी है। लाखों लोग इस नदी के किनारे बसकर अपना जीवन जीते हैं और इसका पानी पीते हैं। इसके अलावा, गंगा नदी को भारत की आर्थिक, सांस्कृतिक, और पर्यावरणीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया गया है। इसलिए, गंगा नदी भारतीय जीवन का अभिन्न अंग है और इसका महिमा को वर्णन करने में शब्दों की कमी होती है।



करके देखें

- क. यमुना नदी के तट पर बने मथुरा नगर का सुंदर चित्र बनाइए।
- ख. यमुना नदी भारत देश के लिए किस प्रकार लाभदायक है व इसका संरक्षण क्यों आवश्यक है विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता करें।
- ग. यमुना के महत्व को दर्शाने वाली एक कविता का निर्माण करें।



सोचो जरा

यदि यमुना नदी के जल को ऐसे ही दूषित किया जाता रहा तो आने वाले दिनों में लोगों को क्या-क्या हानियाँ उठानी होगी?



चेतना विस्तार

जल संरक्षण एक महत्वपूर्ण विषय है क्योंकि मनुष्य को जीवन के लिए पृथ्वी पर जिन घटकों की सबसे ज़्यादा आवश्यकता है उनमें से एक जल भी है। यह हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण अंग है, और हमारे सभी रोजमरा की गतिविधियों के लिए आवश्यक है। इसलिए, हमें जल के सही उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। जल संरक्षण का मतलब है जल के अपव्यय को कम करना, जल की बचत करना, और जल संचयन को बढ़ावा देना। बारिश के पानी को संचित करना, जल संचयन के लिए तालाब और कुएँ बनाना, और जल के व्यर्थ बहाव में कमी करने के उपायों को अपनाना जल संरक्षण का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसलिए, हमें जल संरक्षण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना और इसे समझाने की आवश्यकता है। इसके लिए जब तक सामान्य जनमानस जागरूक नहीं होंगे। तब तक इस समस्या पर विजय प्राप्त नहीं की जा सकेगी। इसलिए हमें मिलकर जल संरक्षण ध्यान देना होगा।

आप जल संरक्षण के लिए कौन-कौन से सामान्य कदम उठा सकते हो?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....